

कक्षा - सातवीं

शिक्षिका - सुमन शर्मा

विषय - हिंदी साहित्य

(पुनरावृत्ति)

(पाठ-10 'नमक का दारोगा')

(पाठ-12 'पापाने दो निबंध लिखे')

पुस्तक - नवतरंग - 7

पुनरावृत्ति

सुप्रभात प्यारे बच्चों!

बच्चों! आज आपको उपरिलिखित पाठों को दोहराई का कार्य भेजा जा रहा है। सब बच्चे इस कार्य को पहले अच्छी तरह से पढ़ेंगे फिर अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न-1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो:-

मुंशी वंशीधर ने उस कागज़ को पढ़ा। पं. अलोपीदीन ने उनको अपनी सारी जायदाद का स्थायी मैनेजर नियुक्त किया था। दस हजार वार्षिक वेतन के अतिरिक्त रोज़ाना खर्च अलग, सवारी के लिए घोड़ा, रहने की बंगला, नौकर-चाकर मुफ्त। कंपित स्वर में बोले, "पंडित जी, मुझमें सामर्थ्य नहीं है कि आपकी उदारता की प्रशंसा कर सकूँ। किंतु ऐसे उच्च पद के योग्य नहीं हूँ।"

- नमक का दारोगा -

लेखक - मुंशी प्रेमचंद

(क) अलोपीदीन वंशीधर को ही मैनेजर क्यों बनाना चाहते थे?

(ख) वंशीधर को नौकरी से क्यों निकाल दिया गया?

(ग) नदी पर पुल किससे बनाया हुआ था और उस पर से होकर किसकी गाड़ियाँ जा रही थीं?

(घ) शब्दों के अर्थ लिखो:-

कोलाहल, मुअत्तली, निर्मूल, प्रफुल्लित।

(पृष्ठ-1)

कक्षा - सातवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पुनरावृत्ति) (पाठ-10 'भ्रमक का दारोगा')
(पाठ-12 'पापा ने दो निबंध लिखे')

प्रश्न-2 निम्नलिखित वाक्यांश को ध्यान से पढ़ो तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखो:-

पापा जब बच्चे थे, तो उनका एक दोस्त वास्या था। वास्या का घर पापा के घर के बराबर ही था। वे स्कूल सदा साथ-साथ जाते थे और घर हमेशा साथ-साथ लौटते थे। स्कूल में वे एक ही डेस्क पर बैठते थे। वास्या गणित के सवाल क्लास भर में सबसे जल्दी करता था। वह गणित में पापा की मदद करता था और पापा कविताएँ पढ़ने और निबंध लिखने में उसकी सहायता करते थे। वे एक-दूसरे से बहुत खुश थे। अगर वे लड़ते भी, तो बस एक-दूसरे से ही।

- पापा ने दो निबंध लिखे -
लेखक - अलेक्जेंडर रस्किन

- (क) पापा और वास्या को कैसे समझ आया कि कुछ सीखने के लिए उसे स्वयं करना होता है?
- (ख) कक्षा की घटना के बाद पापा और वास्या ने क्या महसूस कर लिया था?
- (ग) "यह कोई निबंध है!" यह बात किसने कही और क्यों?
- (घ) शब्दों के अर्थ लिखो:-
सम्पत्, वक्त, परवाह, सुख।

(अंतिम पृष्ठ-2)